137 हमें निडरता का वरदान दे!

(प्रेषितों 4:29)

1. हे य-हो-वा, ते-रे नाम का
जब हम कर-ते हैं ऐ-लान,
दे-ते राज की जब ग-वा-ही,
दुश्-मन कर-ते हैं बद-नाम।
पर इं-सा-नों के डर से,
छो-ड़ें-गे ना हम ते-रा काम।
अप-नी शक्-ति दे, हे य-हो-वा,
दे नि-डर-ता का व-रदान!

(कोरस)

भर दे सा-हस हम-में ऐ-सा,
हिम्-मत दे ह-में ऐ-सी,
कह स-कें सा-रे ज-हान से,
हर-म-गि-दोन है क़-रीब!
दिन ये आ-ए ना जब त-लक,
दें सं-दे-सा हम बे-झि-झक।
ऐ-सा हौ-स-ला बु-लंद कर,
कि हों नि-डर!

2. है ख़-याल इस-का तु-झे, याह,
मू-रत हम हैं मिट्-टी के,
टू-टे सा-हस जब ह-मा-रा,
दे-ना सा-हस फिर ह-में।
सुन ले धम-कि-याँ उन-की,
कर-ते बे-इज़्-ज़त जो ह-में।
दे म-दद ह-में, हे य-हो-वा,
कि हिम्-मत से नाम ते-रा लें।
(*कोरस*)

(1 थिस्स. 2:2; इब्रा. 10:35 भी देखिए।)

© 2015 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania